राजस्थान राज्य गंगानगर शुगर मिल्स लिमिटेड

चौथा तल, नेहरू सहकार भवन, भवानी सिंह रोड़, जयपुर–302006

फोन न0 : 0141–2740841,फैक्स न0 : 0141–2740676,

वेबसाईट : www.excise.rajasthan.gov.in ई–मेल : dgmpurchase.rsgsm@rajasthan.gov.in

अल्पकालीन
ई–बिड आमंत्रण सूचना

शुगर फैक्ट्री, श्रीगंगानगर पर गुड, जैगरी पाउडर एवं ब्राउन शुगर के उत्पादन कार्य हेतु

दर संविदा

द्वि–भाग बिड

भाग– प्रथम

तकनीकी बिड

बिड क्रमांक– आरएसजीएसएम/मुख्यालय/शुगर/उत्पादन /दर संविदा/2022–23/49 दिनांक 05.12.2022

प्री–बिड मीटिंग	:	दिनांक 09.12.2022 को दोपहर 12.30 बजे
बिड सबमिशन प्रारम्भ	:	दिनांक 09.12.2022 को दोपहर 03.00 बजे से
बिड प्रपत्र डाउनलोड करने की अन्तिम दिनांक व समय	:	दिनांक 15.12.2022 को सांय 06.00 बजे तक
बिड प्रपत्र अपलोड करने की अन्तिम दिनांक व समय	:	दिनांक 15.12.2022 को सांय 06.00 बजे तक
तकनिकी बिड खोलने की दिनांक, समय व स्थान	:	दिनांक 16.12.2022 को दोपहर 03.00 बजे मुख्यालय, आरएसजीएसएम, जयपुर
वित्तीय बिड खोलने की दिनांक व समय	:	वित्तीय बिड खोलने की सूचना ई–प्रॉक द्वारा स्वतः मैसेज के माध्यम से दी जावेगी
बिड प्रपत्र मूल्य	:	रूपये 2360 मय जीएसटी मात्र
बिड प्रोसेसिंग मूल्य	:	रूपये 1000 मात्र

राजस्थान राज्य गंगानगर शुगर मिल्स लिमिटेड

ई–बिड आमंत्रण सूचना

बिड क्रमांक–आरएसजीएसएम/मुख्यालय/शुगर/उत्पादन /दर संविदा/2022–23/49 दिनांक 05.12.2022

1. शुगर फैक्ट्री, श्रीगंगानगर पर गुड, जैगरी पाउडर एवं ब्राउन शुगर के उत्पादन कार्य हेतु दर संविदा किये जाने के क्रम में इच्छुक सेवा प्रदाता व्यक्ति/फर्म/कंपनी से ई–बिड्स आमंत्रित की जाती हैं। कार्य का विवरण निम्न प्रकार है : –

कार्य	अनुमानित व्यय	बिड प्रपत्र शुल्क / प्रोसेस फीस	बोली प्रतिभूति राशि	दर वैधता अवधि	दिनांक /समय जिस तक बिड अपलोड करनी है	बिड खोलने की तिथि एवं समय व स्थान
शुगर फैक्ट्री, श्रीगंगानगर पर गुड, जैगरी पाउडर एवं ब्राउन शुगर के उत्पादन कार्य	65.00 लाख रू	रू. 2360 मय जीएसटी / रू. 1000	अनुमानित व्यय का 2 प्रतिशत	90 दिवस	दिनांक 15.12.2022 सांय 06.00 बजे तक मुख्यालय पर	दिनांक 16.12.2022 सायंकाल 3.00 बजे मुख्यालय, आरएसजीएसम , जयपुर पर

2. राजस्थान राज्य गंगानगर शुगर मिल्स लिमिटेड में कार्यरत कार्मिक अथवा उनके परिवार के सदस्यों द्वारा बिड में भाग लिया जाना पूर्णतः निषिद्ध है। परिवार की श्रेणी में दादा, दादी, माता, पिता, पत्नी,पुत्र,पुत्री (दत्तक पुत्र, पुत्री सहित), पुत्रवधु, पौत्र, पौत्री, बहन, भाई शामिल होंगे। यदि संस्थान में कार्यरत कार्मिक के किसी रिश्तेदार (उपरोक्तानुसार वर्णित परिवार के सदस्यों के अलावा) द्वारा बिड में भाग लिया जाता है तो उसे लिखित में कार्मिक के साथ रिश्ते का घोषणा पत्र बिड के साथ संलग्न करना होगा।
3. बिड प्रपत्र वेबसाइट www.excise.rajasthan.gov.in or www.sppp.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है एवं वेबसाइट eproc.rajasthan.gov.in से डाउनलोड किया जा सकता है।
4. निर्धारित तिथि एवं समय के बाद कोई भी बिड स्वीकार नहीं की जावेगी।
5. **ई–बिड प्रस्तुतीकरण के लिये बिडर्स हेतु निर्देशः–**

क बिड में भाग लेने वाले बिडर को इन्टरनेट वेब साइट eproc.rajasthan.gov.inपर रजिस्टर करवाना होगा। ऑन लाइन बिड में भाग लेने के लिए डिजिटल सिगनेचर सर्टिफिकेट (DSC, Type-III),इन्फोरमेशन टेक्नोलॉजी एक्ट– 2000 के तहत प्राप्त करना होगा जो इलेक्ट्रोनिक बिड में साइन करने हेतु काम आयेगा। बिडर उपरोक्त डिजिटल सिग्नेचर सर्टिफिकेट, सी. सी. ए. (CCA) द्वारा स्वीकृत एजेन्सी से प्राप्त कर सकते हैं। जिन बिड दाताओं के पास E-Procurement Portal के लिए पूर्व में वैध डिजिटल सिग्नेचर सर्टिफिकेट है, उन्हें नया डिजिटल सिग्नेचर सर्टिफिकेट लेने की आवश्यकता नहीं हैं।

ख बिडर को बिड प्रपत्र इलेक्ट्रोनिक फार्मेट में उपरोक्त वेबसाइट पर डिजिटल साइन के साथ प्रस्तुत करना होगा।

ग इलेक्टॉनिक बिड प्रपत्रों को जमा कराने से पूर्व बिडर यह सुनिश्चित कर लेवे कि बिड प्रपत्रों से संबंधित सभी आवश्यक दस्तावेजों की स्केन कॉपी बिड प्रपत्रों के साथ अटेच कर दी गयी हैं।

घ कोई भी बिड इलेक्ट्रोनिकी फार्मेट में जमा कराने में किसी कारण से विलम्ब हो जाता है तो उसकी जिम्मेदारी आरएसजीएसएम की नहीं होगी।

ङ बिड प्रपत्रों में आवश्यक सभी सूचियों को संपूर्ण रूप से भरकर ऑन लाईन दर्ज करें।

च ऑन लाईन बिड भरते समय संबंधित निर्देशों का पालन नहीं करने के परिणामस्वरूप बिड प्रक्रिया में उत्पन्न किसी भी प्रकार की बाधा के लिए आरएसजीएसएम की जिम्मेदारी नहीं होगी।

छ बिडर, यदि आवश्यक हो तो, ऑनलाईन बिड सबमिशन के प्रशिक्षण हेतु सूचना प्रोद्यौगिकी एवं संचार विभाग, प्रथम तल, योजना भवन, तिलक मार्ग, जयपुर के ई–प्रोक्यरमेन्ट सेल हेल्पडेस्क न. 0141–4022688, ई–मेलः eproc@rajasthan.gov.in वेबसाईटः www.eproc.rajasthan.gov.in से सम्पक्र कर सकते है।

ज बिड में सभी संशोधन बिड जारी करने के उपरान्त eproc.rajasthan.gov.in वेबसाइट पर ही जारी किये जावेंगे। बिडर द्वारा वेब (ई–मेल) पर संशोधनों/स्पष्टीकरण को प्राप्त नहीं करने के संबंध में किसी भी दावे को स्वीकार नहीं किया जावेगा।

झ बिड शुल्क रू. 2360 मय जीएसटी (RSGSM Ltd. payable at Jaipur के पक्ष में), बिड प्रोसेसिंग शुल्क रू. 1000, बोली प्रतिभूति राशि (RSGSM Ltd. payable at Jaipur के पक्ष में) के डिमाण्ड ड्राफ्ट/बैंकर्स चैक/ऑनलाईन जमा विवरणी एवं एनेक्सर 'बी' (रू. 100/– के नॉन ज्यूडिशियल स्टाम्प पेपर पर) ऑफलाईन बन्द लिफाफे में बिड प्रस्तुतीकरण की अन्तिम तिथि एवं समय तक क्रय अनुभाग, आरएसजीएसमएम, सहकार भवन में जमा कराना होगा। अन्य कोई भी दस्तावेज ऑफलाईन स्वीकार नहीं किये जावेगें अथवा ऑनलाईन जमा कराए जाने की स्थिति में ई–मेल अथवा अन्य माध्यम से अवगत कराना होगा। बिना बिड शुल्क, बिड प्रोसेसिंग शुल्क, बोली प्रतिभूति राशि के बिड़ स्वीकार नहीं होगी।

ञ बिडर यह भी सुनिश्चित करे कि बिड संबंधी एवं चैक–लिस्ट अनुसार सभी दस्तावेजों की सत्यापित प्रति एवं बिड प्रपत्र पूर्ण रूप से भरकर हस्ताक्षरित एवं मोहरबंद कर ऑनलाईन वेबसाईट www.eproc.rajasthan.gov.in पर आवश्यक रूप से अपलोड करें। ऐसा करने में असफल पाये जाने पर बिडर को तकनीकी आधार पर अयोग्य घोषित किया जा सकेगा।

Dy. General Manager (Purchase)

राजस्थान राज्य गंगानगर शुगर मिल्स लिमिटेड
अल्पकालीन ई–बिड आमंत्रण सूचना

बिड क्रमांक–आरएसजीएसएम / मुख्यालय / शुगर / उत्पादन / दर संविदा / 2022–23 / 49 दिनांक 05.12.2022

Bids for GUUD, JAGGERY POWDER AND BROWN SUGAR PRODUCTION at Sugar factory, Sri Ganganagar are invited from interested bidders up to 06.00 PM on 15-12-2022. Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal (http://eproc.rajasthan.gov.in, http://sppp.rajasthan.gov.in) of the state; http://excise.rajasthan.gov.in/, departmental website.

UBN:

उपमहाप्रबन्धक (क्रय)

राजस्थान राज्य गंगानगर शुगर मिल्स लिमिटेड

परिचय	
बिड क्रमांक	आरएसजीएसएम/मुख्यालय/शुगर/उत्पादन /दर संविदा/2022–23/49
उपापन संस्थान	राजस्थान राज्य गंगानगर शुगर मिल्स लिमिटेड
उपापनीय सेवा का विवरण	शुगर फैक्ट्री, श्रीगंगानगर पर गुड, जैगरी पाउडर एवं ब्राउन शुगर के उत्पादन कार्य हेतु कार्य
बिड प्रपत्र का मूल्य	रू. 2360 मय जीएसटी का RSGSM Ltd. (Payable at Jaipur) के पक्ष में जारी बैंकर्स चैक/डीडी/ऑनलाईन व्यक्तिशः या डाक द्वारा कंपनी मुख्यालय की क्रय शाखा में निर्धारित तिथि व समय पूर्व/तक पहुंचाना अनिवार्य है।
बिड प्रोसेसिंग का मूल्य	रू. 1000 का MD RISL (Payable at Jaipur) के पक्ष में जारी बैंकर्स चैक/डीडी/ऑनलाईन जमा (संस्थान खाते में) व्यक्तिशः या डाक द्वारा कंपनी मुख्यालय की क्रय शाखा में निर्धारित तिथि व समय पूर्व/तक पहुंचाना अनिवार्य है।
बिड जिसको प्रस्तुत करनी है, अथवा कोई स्पष्टिकरण वाछिंत है	उप–महाप्रबंधक (क्रय) , राजस्थान राज्य गंगानगर शुगर मिल्स लिमिटेड, चतुर्थ तल, नेहरू सहकार भवन, जयपुर। फोन न0 : 0141–2740841, फैक्स : 0141–2740676 ई–मेल : dgmpurchase.rsgsm@rajasthan.gov.in
प्री बिड बैठक	हाँ, 09.12.2022 दोपहर 12.30 बजे
बिड की भाषा	हिन्दी व अंग्रेजी
बिडर को बिड के साथ संलग्न करना है–	बिड की शर्तों एवं चैक लिस्ट में उल्लेखितानुसार
दरों की वैधता अवधि	तकनीकी बिड खोले जाने की तिथि से 90 दिवस
अधिकृत करना	बिडदाता के लैटर हैड पर पॉवर ऑफ अटॉर्नी या अधिकृति पत्र
बिड प्रपत्र को डाउनलोड करना	excise.rajasthan.gov.in or sppp.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है एवं वेबसाइट eproc.rajasthan.gov.in से डाउनलोड किया जा
बिड डाउनलोड व अपलोड करने का अन्तिम दिनांक व समय	दिनांक 15.12.2022 को सांय 06.00 बजे तक वेबसाइट eproc.rajasthan.gov.in
तकनिकी बिड खोलने की दिनांक व समय	दिनांक 16.12.2022 दोपहर 03.00 बजे eproc.rajasthan.gov.in द्वारा मुख्यालय, आरएसजीएसएम, जयपुर।
वित्तीय बिड डाउनलोड करने की दिनांक व समय	ई–प्रॉक द्वारा स्वतः मैसेज प्रणाली के माध्यम से दी जावेगी
अवधि जिसमें कार्य सम्पादन राशि जमा कराकर अनुबंध का निष्पादन किया जाना है	स्वीकृति पत्र जारी करने के 15 दिवस में करना होगा, अन्यथा बोली प्रतिभूति राशि जब्त कर ली जावेगी।
प्रथम अपील प्राधिकारी का पदनाम व पता	संयुक्त शासन सचिव, वित्त (आबकारी) विभाग, शासन सचिवालय राजस्थान सरकार, जयपुर।
द्वितीय अपील प्राधिकारी का नाम व पता	वित्त सचिव(बजट) एवं कमीश्नर, एग्रीकल्चर ।

राजस्थान राज्य गंगानगर शुगर मिल्स लिमिटेड

मैं/हम .... (व्यक्ति/फर्म/कंपनी आदि) बहैसियत ....

(पदनाम/प्रास्थिति) द्वारा समस्त बिड दस्तावेज का ध्यानपूर्वक अध्ययन कर लिया गया है एवं इसके समस्त प्रावधानों व शर्तों से बाध्य होना स्वीकार करते हैं तथा स्वीकारोक्ति स्वरूप सभी पृष्ठों पर आद्याक्षर कर दिये गये हैं। मेरी/हमारी जानकारी निम्नानुसार है–

व्यक्ति/फर्म/कंपनी का नाम	———————————————————
	———————————————————
	———————————————————
कार्यालय पता	———————————————————
	———————————————————
	———————————————————
पत्र व्यवहार का पता	———————————————————
	———————————————————
	———————————————————
दूरभाष संख्या	कार्यालय ———————————————————
	निवास ———————————————————
	पता ———————————————————
	फैक्स ———————————————————
	ई–मेल ———————————————————
	मोबाईल ———————————————————

वैधानिक विवरणः–

आयकर विभाग पंजीयन(पैन)	———————————————————

माल एवं सेवा कर पंजीयन क्रमांक (GSTN) ---------------------------

कान्ट्रेक्ट लेबर एक्ट 1970 के अनुसार पंजीयन संख्या एवं दिनांक ---------------------------

पीएफ कोड संख्या ---------------------------

ई.एस.आई. में पंजीयन संख्या ---------------------------

माल एवं सेवा कर जमा की विवरणी का संदर्भ ---------------------------

बोली प्रतिभूति राशि मय मदिरालय का विवरण

डिमाण्ड ड्राफ्ट/बैंकर चैक संख्या/ऑनलाइन जमा एवं दिनांक ---------------------------

डिमाण्ड ड्राफ्ट/बैंकर चैक राशि /ऑनलाइन जमा एवं दिनांक ---------------------------

बिडर के बैंक खाते का विवरण

बिडर का बैंक का नाम एवं शाखा ---------------------------

बिडर का बैंक खाता संख्या ---------------------------

बिडर का बैंक आरटीजीएस न0 ---------------------------

हस्ताक्षर ---------------------------

नाम व पदनाम हस्ताक्षरकर्ता ---------------------------

नोट : उक्त सभी प्रविष्टियां पूर्ण व अनिवार्य रूप से भरें।

राजस्थान राज्य गंगानगर शुगर मिल्स लिमिटेड

शुगर फैक्ट्री, श्रीगंगानगर पर गुड, जैगरी पाउडर एवं ब्राउन शुगर के उत्पादन कार्य हेतु दर संविदा

टिप्पणी—लोक उपापन के संबंध में राज्य मे " राजस्थान लोक उपापन में पारदर्शिता अधिनियम 2012" एवं राजस्थान लोक उपापन में पारदर्शिता नियम 2013 प्रभावशील हैं एवं राज्य लोक उपापन पोर्टल http:/sppp.rajasthan.gov.in पर उपलब्ध हैं। अतः समस्त बिडर को सलाह दी जाती है कि वे बोली प्रक्रिया में भाग लेने से पूर्व इन नियमों से भलीभांति परिचित हो लेवें। यदि लोक उपापन अधिनियम , नियम तथा इस बोली दस्तावेज के किन्हीं प्रावधानों के बीच असाम्यता हो तो अधिनियम/नियम में उल्लेखित प्रावधान तथा आशय ही मान्य/प्रभावी रहेगा।

1. यह ई–बिड 02 वर्ष की अवधि के लिए है, जिसमें बिडर को शुगर फैक्ट्री, श्रीगंगानगर पर गुड, जैगरी पाउडर एवं ब्राउन शुगर के उत्पादन कार्य हेतु कार्य के इच्छुक सेवा प्रदाता व्यक्ति/फर्म/कंपनी से ई–बिड आमंत्रित की जाती हैं।

2. प्लांट की उत्पादन क्षमताः— न्यूनतम 50 क्विटंल प्रतिदिन

3. उत्पाद :— गुड़, जैगरी पाउडर एवं ब्राउन शुगर (गुडिया शक्कर)

4. कार्य का विवरणः—

1द्ध सफल निविदादाता द्वारा गुड़, जैगरी पाउडर एवं ब्राउन शुगर (गुडिया शक्कर) का उत्पादन एल.ओ.ए. जारी होने से अधिकतम 20 दिवस में प्रारम्भ करना होगा।

2द्ध सफल निविदादाता द्वारा गुड़, जैगरी पाउडर एवं ब्राउन शुगर (गुडिया शक्कर) निर्माण हेतु आवश्यक समस्त मशीनरी अपने खर्चें पर स्थापित कर मांगानुसार निर्धारित गुणवत्ता का गुड़, जैगरी पाउडर एवं ब्राउन शुगर (गुडिया शक्कर) निर्माण कर एवं पैक कर संस्थान को उपलब्ध कराना होगा।

3द्ध गुड़, जैगरी पाउडर एवं ब्राउन शुगर (गुडिया शक्कर) निर्माण हेतु आवश्यक समस्त मैन पावर की व्यवस्था सफल निविदादाता द्वारा अपने स्तर पर की जाएगी।

4द्ध उत्पादन हेतु लगाई जाने वाली मशीनरी की सिविल फाउन्डेशन बनाने का कार्य सफल निविदादाता द्वारा अपने स्तर पर किया जाएगा।

5द्ध स्थापित की जाने वाले प्लांट की Broad specification संलग्न है। सफल निविदादाता को क्रशर व प्लांट ISI standard का लगाना होगा (Annexure-F)

6द्ध पाईपलाईन एवं ज्यूस ट्रे **एस.एस.409** व आवश्यकतानुसार सी.पी.वी.सी., एम.एस. पाईपलाईन लगानी होगी।

7द्ध जैगरी (गुड़) प्लांट से उत्पादित होने वाले गुड़ की गुणवता व अन्य सभी उत्पादों की गुणवता की जाँच सफल निविदादाता को आरएसजीएसएम लैब से करवानी होगी। जिसकी रिपोर्ट मुख्य रसायनज्ञ (निर्माण) को प्रतिदिन उपलब्ध करानी होगी।

8द्ध जैगरी (गुड़) प्लांट चलाने के लिए आवश्यक विद्युत शुगर मिल के द्वारा उपलब्ध कराई जायेगी। जिसके लिए आवश्यक सामान जैसे— केबल (Armoured) इत्यादि सफल निविदादाता द्वारा स्वंय लगानी होगी।

9द्ध गुड़ उत्पादन एवं अन्य उत्पाद के लिए प्रयुक्त होने वाले गन्ने का रिकॉर्ड आरएसजीएसएम के गन्ना विभाग द्वारा संधारित किया जावेगा जिसका पूर्ण विवरण मुख्य गन्ना विकास अधिकारी के मार्फत मुख्य रसायनज्ञ निर्माण को प्रतिदिन देना होगा।

10द्ध प्रतिदिन गुड़ एवं अन्य उत्पाद को विक्रय करने हेतु, आरएसजीएसएम के विक्रय शाखा को शुगर गोदाम कीपर द्वारा प्रतिदिन स्टॉक मात्रा उपलब्ध करानी होगी एवं इसका रिकॉर्ड विक्रय शाखा एवं शुगर गोदाम कीपर द्वारा संधारित किया जावेगा।

11द्ध गुड़ एवं अन्य उत्पादन हेतु यदि गन्ने से उत्पादित बगास के अतिरिक्त फ्यूल की आवश्यकता होगी तो सफल निविदादाता को स्वंय अपने खर्चे पर करनी होगी।

12द्ध रिकवरी (न्युनतम)–

1. गुड़	–	10 किलो प्रति क्विटल गन्ना ।
2. जैगरी पाउडर	–	9 किलो प्रति क्विटल गन्ना
3. ब्राउन शुगर (गुडिया शक्कर)	–	4.5 किलो प्रति क्विटल (अधिकतम नमी–3 प्रतिशत)

उपरोक्त रिकवरी प्रति उत्पाद सफल निविदादाता द्वारा प्राप्त करनी होगी।

13द्ध सीजन उपरान्त मशीनरी की देखरेख एवं रख–रखाव हेतु आवश्यकतानुसार मैनपावर सफल निविदादाता द्वारा स्वंय के स्तर पर करनी होगी।

14द्ध बिल का सत्यापन आरएसजीएसएम के मुख्य रसायनज्ञ, मुख्य अभियन्ता एवं वरिष्ठ प्रबन्धक (लेखा) द्वारा किया जावेगा।

15द्ध दुर्घटना की समस्त जिम्मेवारी सफल निविदादाता की होगी। श्रमिको की सुरक्षा की समस्त जिम्मेवारी सफल निविदादाता की होगी। जिसका बीमा जमा करना होगा।

16द्ध केन्द्रीय एवं राजकीय के समस्त नियमों एवं अनुमति इत्यादि की पालना सफल निविदादाता को करनी होगी।

17द्ध विवाद की स्थिति में निम्न Dispute Resolution committee होगीः–

सदस्य–1. महाप्रबन्धक–
2. मुख्य रसायनज्ञ (निर्माण)
3. मुख्य अभियन्ता
4. वरिष्ठ प्रबन्धक (लेखा)
5 सफल निविदादाता का प्रतिनिधि

उक्त समिति द्वारा प्रकरण से संबंधित प्रस्ताव अन्तिम निर्णय हेतु श्रीमान् प्रभारी संचालक महोदय को प्रस्तुत किया जाएगा।

18द्ध सफल निविदादाता गुड़ प्लांट एवं मशीनरी को अनुबन्ध उपरान्त स्वंय के स्तर पर डिस्मेन्टलिंग, लोड़िग करके ले जानी होगी। जिसकी पूर्व स्वीकृति महाप्रबन्धक शुगर मिल से लेनी होगी।

19द्ध प्लांट संचालन करने हेतु श्रमिको के रहने की व्यवस्था सफल निविदादाताओं को स्वंय के स्तर पर करनी होगी।

20द्ध विभिन्न साईज के गुड बनाने हेतु आवश्यक अन्य सामान जैसे लकडी के बॉक्स इत्यादि की व्यवस्था स्वयं के स्तर पर सफल निविदादाता द्वारा की जाएगी।

5. गुड़/जैगरी पाउडर/ब्राउन शुगर उत्पादन हेतु गन्ना आरएसजीएसएम द्वारा उपलब्ध किया जाएगा।
6. मशीनरी स्थापना हेतु आवश्यक टीन शैड सफल निविदादाता को उपलब्ध करवाया जाएगा।
7. सफल निविदादाता को टीन शैड तक विद्युत उपलब्ध कराने का कार्य संस्थान द्वारा किया जाएगा।

8. मशीनरी के विधुत उपकरणों हेतु पावर फैक्टर मेन्टेन करने हेतु आवश्यक व्यवस्था जैसे अर्थपीट इत्यादि तथा विधुत वितरण पैनल में प्रतिदिन खपत होने वाली बिजली की गणना हेतु एनर्जी मीटर संस्थान द्वारा लगाया जाएगा।
9. **अनुबंध अवधि** :–कार्य की अनुबंध अवधि 2 वर्ष होगी, जिसे आरटीपीपी नियमानुसार बढाया जा सकेगा।
10. **सफल निविदादाता का चयनः–**

    1द्ध निविदादाता द्वारा प्रति किलो गुड़/जैगरी पाउडर/ब्राउन शुगर हेतु प्रति क्विंटल कनवर्जन दर प्रस्तुत की जाएगी।

    2द्ध सफल निविदादाता का चयन प्राप्त न्युनतम प्रति क्विंटल कनर्वजन दर के आधार पर किया जाएगा।

11. **भुगतानः–**

    1द्ध सफल निविदादाता द्वारा प्रति सप्ताह बिल भुगतान हेतु गंगानगर कार्यालय में प्रस्तुत किया जाएगा।

    2द्ध वैधानिक कटौती उपरान्त प्रस्तुत बिल का 100 प्रतिशत भुगतान गंगानगर कार्यालय द्वारा किया जाएगा।

12. सफल बिडर को अनुबंध निष्पादन के समय अनुबन्ध राशि की 2.5 प्रतिशत राशि कार्य सम्पादन राशि के रूप में जमा करानी होगी।
13. बिडर को बिड के साथ ई.पी.एफ, ई.एस.आई, श्रम विभाग के पंजीयन, जी.एस.टी के रजिस्ट्रेशन नम्बर एवं पैन संख्या से संबंधित दस्तावेजो की प्रतियाँ प्रस्तुत (अपलोड) करनी होगी, जिसके अभाव में बिडर की बिड निरस्त की जा सकेगी।
14. उक्त कार्य के श्रमिकों को देय राशि पर ई.एस.आई, ई.पी.एफ, एवं अन्य कर बिडर को वहन करने होंगे। निर्धारित तिथि तक बिडर द्वारा ई.पी.एफ, ई.एस.आई की राशि जमा करवाकर चालान की एक प्रति प्रत्येक माह के प्रथम सप्ताह में बिल के साथ भी संलग्न करनी होगी। ई.पी.एफ, ई.एस.आई रिटर्न बिडर द्वारा ही भरी जावेगी एवं श्रमिकों के ई.पी.एफ, ई.एस.आई समस्त हित/लाभ दिलवाने की जिम्मेदारी बिडर होगी। इसके अभाव में बिडर को देय राशि के भुगतान में होने वाले विलम्ब का उत्तरदायित्व बिडर का स्वयं का होगा। बिडर द्वारा प्रस्तुत चालान का प्रयोग वास्तविक नियुक्त श्रमिकों को ही किए जाने की पुष्टि की जा सकेगी।
15. बिडर के उपलब्ध कराये गये श्रमिकों की उदासीनता के कारण यदि संस्थान को सामग्री तथा अन्य पैकिंग मैटिरियल में टूट फूट के रूप में किसी प्रकार की कोई क्षति/हानि होती है तो उसके लिये बिडर उत्तरदायी होंगे तथा बिडर को ऐसी क्षति राशि की पूर्ति करनी होगी।
16. कान्ट्रेक्टर का लेबर रेग्यूलेशन एक्ट के तहत पंजीकृत होना आवश्यक होगा एवं कान्ट्रेक्ट लेबर (रेगुलेशन एण्ड अबोलिशन) एक्ट, 1970 एवं बाद में उक्त एक्ट में किये गये संशोधन सहित इसके समस्त प्रावधानों की पालना करनी होगी।
17. बिडर को न्यूनतम मजदूरी भुगतान अधिनियम के प्रावधानों की पूर्ण पालना सुनिश्चित करनी होगी जिसके अभाव में उत्पन्न किसी भी स्थिति के लिये बिडर स्वयं उत्तरदायी होंगे।
18. यदि उपापन संस्था परिस्थितियों में परिवर्तन के कारण उपापन की कोई विषयवस्तु उपाप्त नहीं करती है या बोली दस्तावेजों में विनिर्दिष्ट परिमाण से कम उपाप्त करती है तो बोली लगाने वाला बोली दस्तावेजों में अन्यथा उपबंधित के सिवाय, किसी भी दावे या प्रतिकर का हकदार नहीं होगा।
19. कार्य में प्रयुक्त सभी कार्मिकों से सम्बन्धित समस्त विधिक प्रावधानों/दायित्वों के लिये बिडर स्वयं उत्तरदायी होंगे।
20. बिडर द्वारा सभी मशीनों पर कार्य करने के लिये अनुभवी दक्ष श्रमिकों को ही लगाया जावेगा एवं कोई भी बाल श्रमिक नहीं रखा जायेगा।

21. श्रमिकों के द्वारा कार्य की अवधि के दौरान यदि मशीन में किसी प्रकार की टूट–फूट या क्षति होती है तो उसके लिये सफल बिडर स्वयं जिम्मेदार होगा एवं संस्थान को होने वाले नुकसान की क्षतिपूर्ति सफल बिडर को करनी होगी।
22. किसी भी प्रकार के विवाद की स्थिति में कम्पनी एवं बिडर फर्म की परस्पर सहमति से सोल ऑर्बीट्रेटर (एकल मध्यस्थ/पंच) नियुक्त किया जा सकेगा तथा उनका निर्णय दोनों पक्षों को मान्य होगा। एकल पंच पर होने वाला व्यय दोनों पक्षों के द्वारा समान रूप से वहन किया जावेगा।
23. इस अनुबन्ध के तहत किसी भी प्रकार का विवाद उत्पन्न होने की दशा में सम्बन्धित क्लॉज के तहत कानूनी कार्यवाही के लिये वाद क्षेत्र जयपुर स्थित न्यायालय ही होगा।
24. प्रतिदिन कार्य समाप्त होने पर मशीनों की साफ–सफाई/मेन्टीनेन्स का कार्य नियमित आधार पर बिडर को स्वयं के स्तर पर करना होगा।
25. निर्धारित राशि के नॉन जूडिशियल स्टॉम्प पर सफल बिडर को अनुबन्ध करना होगा एवं स्टाम्प राशि का व्यय भार बिडर का स्वयं का होगा।
26. बिडर को राज्य/केन्द्रीय सरकार के संबंधित नियमों की पालना करनी होगी तथा बिडर के बिलों में से नियमानुसार आयकर/ सर्विस टैक्स या अन्य वैधानिक कटौतियां स्त्रोत पर की जा सकेगी।
27. बिड प्रपत्र/शर्तों अनुबन्ध का भाग होगा।
28. अन्य नियम व शर्ते जिनका उल्लेख ऊपर नहीं किया गया है, आरटीपीपी एक्ट, 2012 एवं आरटीपीपी नियम, 2013 के प्रावधानानुसार होंगे।
29. अनुबन्ध की शर्तो का उल्लंघन करने या कार्य सन्तोषजनक नहीं करने की स्थिति में इस अनुबन्ध के अन्तर्गत जमा धरोहर राशि पूर्ण अथवा आंशिक रूप से जब्त की जा सकेगी, जिस पर 18 प्रतिशत जीएसटी अतिरिक्त देय / वसूली योग्य होगा।
30. सफल बिडर को काम पर लगाये गये श्रमिकों/कर्मचारियों को भुगतान चैक/NEFT/RTGS के माध्यम से करना होगा तथा पुष्टि स्वरूप आगामी बिल के साथ संबंधित दस्तावेज की प्रति प्रस्तुत करनी होगी।
31. बिडर के किसी भी श्रमिक भली भाँति कार्य निष्पादित नहीं करने अथवा कार्य में व्यवधान उपस्थित करने की स्थिति में बिडर को उसे तत्काल प्रभाव से पृथक करना होगा।
32. राज्य सरकार के आदेश क्रमांक एफ1(8) वित्त/साविलेनि/2011 दिनांक 04.02.2014 के अनुसार बिड प्रपत्र के साथ संलग्न एनेक्चर ए,बी,सी,डी की शर्तो की पूर्ण पालना कर बोली फार्म के प्रत्येक पृष्ठ पर हस्ताक्षर करना अनिवार्य है।
33. यदि सामान्य शर्तों एवं विशेष शर्तों में कोई विरोधाभास हो तो विशेष शर्त में विहित आशय ही मान्य किया जावेगा।
34. न्यूनतम मजदूरी अधिनियम 1948 (केन्द्रीय अधिनियम 11, वर्ष 1948) के वैधानिक प्रावधानों की अनुपालना का दायित्व सम्बन्धित संवेदक का होगा।
35. कर्मचारी भविष्य निधि अधिनियम, 1952 एवं कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 के अन्तर्गत नियमानुसार पंजीकृत संवेदक ही उक्त प्रकार की बोली में भाग लेने हेतु अर्हत होंगे। पंजीकरण प्रमाण–पत्र की सत्यापित प्रतिलिपि पूर्ण रूप से भरे हुए बोली दस्तावेज के साथ संबंधित उपापन संस्था को प्रस्तुत की जायेगी।
36. वित्त (G&T) विभाग के परिपत्र सं. 1/2018 दिनांक 30.04.2018 सपठित श्रम विभाग की पुनरीक्षित न्यूनतम मजदूरी अधिसूचना दिनांक 28.06.2022 के अनुसरण में कार्यादेश अवधि के दौरान न्यूनतम मजदूरी के परिवर्तन होने की स्थिति में ठेकेदार द्वारा श्रमिकों को परिवर्तित दरों के अनुसार भुगतान किया जावेगा।

37. श्रमिकों को निर्धारित न्यूनतम मजदूरी का भुगतान सुनिश्चित करने के लिये संविदा अवधि के दौरान न्यूनतम मजदूरी दर में श्रम विभाग की अधिसूचना से समय समय पर वृद्धि होने पर उपापन संस्था द्वारा संवेदक को बढ़ी हुई न्यूनतम मजदूरी की सीमा तक अन्तर राशि का भुगतान किया जा सकेगा।
38. संवेदक को राज्य/केन्द्र सरकार की नवीनतम दरों के अनुसार अपने समस्त श्रमिकों का नियमानुसार ई.पी.एफ. एवं ई.एस.आई. जमा कराना होगा, जिसमें नियोजित श्रमिकों की मजदूरी राशि से कटौती और संवेदक का अंशदान शामिल होगा। संवेदक द्वारा अपने आगामी माह के बिल के साथ गत माह के पेटे श्रमिकों के ई.पी.एफ. और ई.एस.आई. के अंशदान की राशि नियमानुसार जमा कराये जाने की पुष्टि से संबंधित चालान की प्रति प्रस्तुत किए जाने पर ही संवेदक को आगामी माह के बिल/बिलों का भुगतान किया जायेगा। चालान की पुष्टि सम्बन्धित विभाग से कराई जा सकेगी।
39. संवेदक द्वारा प्रत्येक कार्य स्थल पर Display board लगाये जायेंगे जिन पर संवेदक का नाम, संविदा अवधि, कार्य की प्रगति, श्रमिकों हेतु हेल्पलाईन नम्बर एवं संवेदक द्वारा न्यूनतम मजदूरी भुगतान नहीं करने की शिकायत करने संबंधी प्रावधान का विवरण स्पष्ट रूप से अंकित किया जाएगा।
40. राज्य में लागू श्रम नियमों के अंतर्गत अपने समस्त श्रमिकों का नियमानुसार ई.पी.एफ. एवं ई.एस.आई. की राशि जमा कराने का दायित्व संवेदक का होगा।
41. संवेदक द्वारा श्रमिकों को देय राशि पर वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) की राशि अतिरिक्त रुप के देय होगी। सभी प्रकार के करों को जमा करावाने की जिम्मेदारी संवेदक की ही होगी। संवेदक द्वारा गत माह में जमा कराये गये वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) के चालान की प्रति आगामी माह के बिल के साथ अनिवार्य रूप से संलग्न की जायेगी। वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) की राशि जमा कराने के प्रमाण स्वरूप चालान की प्रति प्रस्तुत किये जाने पर ही आगामी माह के बिल में जी.एस.टी. का भुगतान किया जावेगा। वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) के संबंध में उत्पन्न होने वाले किसी भी प्रकार के दायित्वों के निर्वहन का उत्तरदायित्व संवेदक का होगा।
42. श्रम विधिओं के अन्तर्गत निर्धारित नियमों, उपनियमों व अधिसूचनाओं तथा केन्द्र/राज्य सरकार द्वारा समय-समय पर जारी किये गये दिशा-निर्देशों की पालना करने का दायित्व संवेदक का ही होगा। इनकी पालना नहीं करने की स्थिति में उसके परिणामों/दायित्वों के लिये संवेदक स्वयं उत्तरदायी होगा।
43. यदि संवेदक एवं कार्य पर लगाये गये ठेका श्रमिकों के मध्य कोई विवाद उत्पन्न होता है तो उसकी प्रबन्धकीय जिम्मेदारी संवेदक की होगी। इसके लिये उपापन संस्था का सक्षम प्राधिकारी न्यूनतम मजदूरी अधिनियम, 1948 एवं राजस्थान ठेका श्रमिक (नियमन एवं उन्मूलन) अधिनियम, 1970 का उचित प्रकार से तथा निष्ठापूर्वक पालन करने के लिये उत्तरदायी होगा।
44. नियोजित ठेका श्रमिकों के द्वारा 240 दिवस पूर्ण कर लिये जाने पर औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 में विहित प्रावधानों के अनुसार ही उन्हें को हटाने, कार्यमुक्त करने, नोटिस वेतन, छंटनी, मुआवजा आदि देने का समस्त उत्तरदायित्व संवेदक/बिडर का होगा।
45. कार्य सम्पादन अवधि के दौरान कार्य के संबंध /संदर्भ में किसी भी प्रकार की क्षतिपूर्ति या मुआवजा देने/ई.एस.आई. करवाने/ सामूहिक दुर्घटना बीमा कराने इत्यादि की जिम्मेदारी एवं दायित्व संवेदक का होगा, इसके लिये उपापन संस्थान की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।
46. यदि संवेदक द्वारा नियमानुसार निर्धारित न्यूनतम मजदूरी का भुगतान नहीं किए जाने की शिकायत उपापन संस्था को प्राप्त होती है तो उपापन संस्था इस संबंध में श्रम विभाग को अनिवार्य रूप से सूचित करेगी और नियमानुसार आवश्यक होने की स्थिति में संवेदक को डिबार कराने की कार्यवाही करगी।
47. दरें वित्तीय बिड (BOQ) में ही अंकित करें।

48. निर्धारित तिथि एवं समय अपलोड की गई बिड को मुख्यालय की उपापन समिति (क्रय समिति) द्वारा बिडर या उनके प्रतिनिधियों की उपस्थिति में खोला (डाउनलोड) जावेगा।
49. बिडर की तकनीकी बिड में सफल होने पर ही वित्तीय बिड खोली जावेगी, तथा वित्तीय बिड खोलने की सूचना ई–प्रोक द्वारा स्वतः मैसेज के माध्यम से बिडर को प्राप्त हो जावेगी।
50. तकनीकी बिड के साथ जीएसटी पंजीयन/ईएसआई/पी.एफ./श्रम विभाग का पंजीकरण/आयकर विभाग से पैन नंबर आदि की सत्यापित प्रतियां ऑनलाईन बिडर को प्रस्तुत करनी होगी। इनके अभाव में बिड को अस्वीकार कर दिया जावेगा।
51. सफल बिडर को 15 दिवस के भीतर–2 अनुबंध करना होगा, व अनुबन्ध के साथ कार्य सम्पादन प्रतिभूति राशि जमा करानी होगी।
52. संस्थान न्यूनतम दर को स्वीकार करने के लिये बाध्य नहीं होगी। साथ ही बिना कारण बताये बिड को निरस्त किया जा सकेगा।
53. कार्यादेश, अनुबंध आदि के संबंध में अगर कोई भी विवाद होता है, तो संबंधित फर्म के द्वारा प्रभारी संचालक महोदय को एकल पंच नियुक्ति करने का अनुरोध किया जा सकता है। एकल पंच द्वारा लिया गया निर्णय दोनों पार्टियों को स्वीकार योग्य होगा, तथा एकल पंच पर किये गये समस्त व्यय दोनों पार्टियों द्वारा समान रूप से वहन किया जावेगा।
54. किसी भी विवाद की स्थिति में न्यायिक क्षेत्राधिकार जयपुर स्थित न्यायालय होंगे।
55. **कार्यानुभव :–** बिडर फर्म को गत तीन वर्षों में किसी भी एक वर्ष में किसी एक राजकीय अथवा गैर राजकीय संस्थान में गुड/जैग्ररी पाउडर/ब्राउन शुगर(गुडिया शक्कर) उत्पादन कार्य का अनुभव होना चाहिए। इस हेतु समर्थन में उन्हें सरकारी/गैर सरकारी विभाग द्वारा जारी किये गये अनुभव प्रमाण पत्र की प्रति बिड दस्तावेज के साथ प्रस्तुत करनी होगी तथा उस पर कार्य किये जाने की अवधि, उपलब्ध कराये गये श्रमिकों की संख्या, संबंधित फर्म का सम्पर्क विवरण दिया जाना आवश्यक होगा। उक्त अनुभव प्रमाण के सत्यापन किये जाने पर यदि दस्तावेज जाली अथवा गलत पाया जाता है तो नियमानुसार कार्यवाही की जा सकेगी।
56. बिडर फर्म का गत तीन वित्तीय वर्षों में औसत टर्नओवर 50 लाख से कम नहीं होना चाहिए। इस हेतु 2020–21 व 2021–22 के CA से प्रमाणित लेखे एवं CA द्वारा जारी प्रमाण पत्र प्रस्तुत करें। यदि वर्ष 2021–22 के लेखे तैयार नहीं हुए हैं तो 2019–20 के लेखे स्वीकार किए जा सकेगें, किन्तु CA द्वारा जारी 2021–22 के टर्नओवर (अनुमानित/आंकलित) का प्रमाण पत्र संलग्न करें।
57. कॉन्ट्रेक्टर को शुगर फैक्ट्री पर चोरी के प्रकरण में लिप्त कार्मिको को तुरन्त हटाना होगा एवं चोरी के प्रकरण में लिप्त कार्मिको पर किसी भी प्रकार की कार्यवाही नहीं करने की स्थिति में अनुबन्ध निरस्त किया जा सकेगा। कॉन्ट्रेक्टर द्वारा उसके कार्मिको की चैकिंग में सहयोग किया जावेगा तथा मदिरा चोरी करते पाए गये कार्मिक को तुरन्त प्रभाव से हटाना होगा। ऐसा नहीं करने की स्थिति में कॉन्ट्रेक्टर को चोरी प्रकरण में संलिप्त मानते हुए अनुबन्ध समाप्त कर दिया जावेगा।

राजस्थान राज्य गंगानगर शुगर मिल्स लिमिटेड
बिड एवं संविदा के लिये सामान्य शर्तें

नोट–यदि सामान्य शर्तों व विशेष शर्तों में विरोधाभास हो तो विशेष शर्त का आशय ही मान्य होगा। यदि सामान्य व विशेष शर्त को आरटीपीपी एक्ट व नियम से विरोधाभास हो तो एक्ट व नियम का अर्थ ही अंतिम एवं बाध्यकारी होगा।

1. बिड को बिड सूचना में दिए गए निर्देशों के अनुसार उचित रूप बिड ई–प्रोक्योरमेंट पोर्टल पर अपलोड करनी होगी।
2. (1) फर्म के गठन आदि में किसी भी परिवर्तन की सूचना संस्थान को लिखित में बिडर द्वारा दी जायेगी तथा इस परिवर्तन से संविदा के अधीन किसी भी दायित्व से, फर्म के पहले सदस्य को मुक्त नहीं किया जाएगा।

   (2)संविदा के सम्बन्ध में फर्म में किसी भी नए भागीदार/भागीदारों को बिडर द्वारा फर्म में तब तक स्वीकार नहीं किया जाएगा जब तक कि वे इसकी समस्त शर्तो को मानने के लिए बाध्य नहीं हो जाते एवं संस्थान को इस सम्बन्ध में लिखित इकरारनामा प्रस्तुत नहीं कर देते। प्राप्ति स्वीकृति के लिए बिडर की रसीद या बाद में उपरोक्त रूप में स्वीकार की गयी किसी भागीदार की रसीद उन सब को बाध्य करेगी तथा वह संविदा के किसी प्रयोजन के लिए पर्याप्त रूप से उन्मुक्ति (डिस्चार्ज) होगी ।
3. दर शब्दों एवं अंकों दोनों में लिखी जाएगी। इसमें कोई त्रुटियां एवं/या उपरिलेखन नहीं होना चाहिए। यदि कोई शुद्धियां करनी हों तो स्पष्ट रूप से की जानी चाहिए एवं उन पर दिनांक सहित लघु हस्ताक्षर किए जाने चाहिए।
4. विधिमान्यता :– बिड, उनके खोले जाने की तारीख से 90 दिवस की अवधि के लिए विधिमान्य होगी।
5. बिडर अपनी संविदा को या उसके किसी सारवान भाग को किसी अन्य एजेन्सी को नहीं सौंपेगा या उप–भाड़े (सब लैट) पर नहीं देगा।
6. निरीक्षण :– (क) संस्थान या उसका विधिवत प्राधिकृत प्रतिनिधि, सभी युक्तियुक्त समयों पर प्रदायकर्ता के परिसर में जाएगा तथा उसे विनिर्माण की प्रक्रिया के दौरान या उसके बाद, जैसा भी निश्चय किया जाए, सभी युक्तियुक्त समयों पर मालों/उपकरणों/मशीनों की सामग्री एंव कर्म कौशल का निरीक्षण एवं जांच करने की शक्ति होगी।

   (ख) बिडर अपने कार्यालय, गोदाम एवं वक्रशाप के परिसर का, जहां पर निरीक्षण किया जा सकता है, पूर्ण पता, उस व्यक्ति के नाम व पते के साथ देगा जिससे उस प्रयोजन के लिए सम्पर्क करना होगा। उन डीलरों के मामले में, जो व्यवसाय में नए प्रविष्ट हुए हैं, अपने बैंकर्स से एक परिचय–पत्र प्रस्तुत करना आवश्यक होगा।
7. बिडर उचित पैकिंग करने के लिए उत्तरदायी होगा ताकि समुद्र, रेल, सड़क या वायुयान द्वारा परिवहन की सामान्य स्थिति में उनमें कोई नुकसान न हो तथा गन्तव्य स्थल पर माल प्राप्तकर्त्ता को माल की सुपुर्दगी अच्छी दशा में प्राप्त हो सके। किसी प्रकार की हानि, नुकसान, टूट–फूट या रिसाव (लीकेज) या किसी कमी के होने के मामले में, बिडर माल प्राप्तकर्ता द्वारा उन सामग्रियों की जांच/निरीक्षण किए जाने पर पायी गयी ऐसी हानि एवं कमी की पूर्ति करने के लिए उत्तरदायी होगा। इसके लिए कोई अतिरिक्त लागत अनुज्ञेय नहीं होगी।
8. प्रदाय हेतु संविदा को, यदि माल का प्रदाय संस्थान की सन्तुष्टि के अनुसार नहीं किया जाता है, तो बिडर को सुनवाई का एक युक्तियुक्त अवसर देने के बाद संस्थान किसी भी समय निराकृत कर सकता है। वह इस प्रकार निराकृत करने के कारणों को अभिलिखित करेगा।
9. बिडर या उसके प्रतिनिधि की ओर से प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से अपना पक्ष समर्थन कराना एक प्रकार की अनर्हता होगी ।
10. बोली प्रतिभूति राशि :– Provided that, during the period commencing from the date of commencement of the Rajasthan Transparency in Public Procurement (Second

Amendment) Rules, 2020 to 31.12.2021, in lieu of bid security a Bid Security Declaration shall be taken.

(क) बिड के साथ एनेक्सर ''एफ'' अनुसार बोली प्रतिभूति राशि प्रस्तुत की जाएगी। इसके बिना बिड पर विचार नहीं किया जाएगा। यह राशि आरएसजीएसएम के पक्ष में निम्नलिखित में से किसी रूप में भी जमा करायी जानी चाहिए :–

(1) खुली प्रतियोगी बोली, द्वि–प्रक्रमी बोली, दर संविदा, इलैक्ट्रोनिक रिवर्स नीलाम के मामले में बोली प्रतिभूति बोली के लिए प्रस्तुत उपापन की विषय वस्तु के प्राक्कलित मूल्य का 2 प्रतिशत होगी या जैसा राज्य सरकार विनिर्दिष्ट करे। राजस्थान के लघु उद्योगों की दशा में यह प्रदाय के लिए प्रदत्त मात्रा का 0.5 प्रतिशतहोगी और लघु उद्योगों से भिन्न रूग्ण उद्योगों की दशा में जिनके मामले औद्योगिकी एवं वित्त पुनर्निर्माण बोर्ड के समक्ष लम्बित है, यह बोली के मूल्य का 1प्रतिशत होगी। राज्य सरकार द्वारा रजिस्ट्रीकृत बोली लगाने वालों से विनिर्दिष्ट रियायती बोली प्रतिभूति ली जा सकेगी। उपापन प्रक्रिया में भाग लेने वाले प्रत्येक बोली लगाने वाले से, यदि छूटप्राप्त नहीं हो तो बोली आमंत्रित करने वाली सूचना में यथा–विनिर्दिष्ट बोली प्रतिभूति देने की अपेक्षा की जायेगी।

(2) बोली प्रतिभूति के स्थान पर, बोली प्रतिभूति घोषणा राज्य सरकार के विभागोंऔर सरकार के स्वामित्वाधीन या नियंत्रित या प्रबंधित उपक्रमों, निगमों, स्वायत निकायों,रजिस्ट्रीकृत सोसाइटियों, सहकारी सोसाइटियों और केन्द्रीय सरकार या राजस्थानसरकार के सरकारी उपक्रम और कम्पनियों से ली जायेगी।

(3) बोली प्रतिभूति लिखत या बोली प्रतिभूति की नकद (नेफ्ट/आरटीजीएस) रसीद या बोली प्रतिभूतकरने की घोषणा आवश्यक रूप से मुहरबंद बोली के साथ होगी।

(4) उपापन संस्था के पास अन्य बोलियों में प्रतीक्षित विनिश्चय के संबंध में रखीहुई बोली लगाने वाले की बोली प्रतिभूति, नयी बोली के लिए बोली प्रतिभूति मेंसमायोजित नहीं की जायेगी। तथापि, मूल रूप से जमा करायी गयी बोली प्रतिभूति बोली के पुनः आमंत्रित किये जाने की दशा में विचार में ली जा सकती है।

(5) बोली प्रतिभूति ने, बैंकर चैक या मांगदेय ड्राफ्ट या अनुसूचित बैंक के विनिर्दिष्ट रूपविधान में बैंक गारंटी या सरकारी विभागों की दशा में ई. जी. आर. ए. एस. के माध्यम से जमा के रूप में दी जा सकेगी। बोली प्रतिभूति, बोली की मूल या बढ़ायी गयी विधिमान्यता की कालावधि से तीस दिन आगे तक विधिमान्य रहनी चाहिए।

(6) बोली दस्तावेजों में यह नियत किया जा सकेगा कि बोली प्रतिभूति का निर्गामी और बोली प्रतिभूति की पुष्टि करने वाला, यदि कोई हो, के साथ ही बोलीप्रतिभूति का प्ररूप और निबंधन उपापन संस्था को स्वीकार्य होना चाहिए। अन्तरराष्ट्रीय प्रतियोगी बोली की दशा में, बोली दस्तावेजों में यह भी नियत किया जा सकेगा कि बोली प्रतिभूति भारत में किसी निर्गामी द्वारा जारी की जायेगी।

(7) यदि अपेक्षित हो तो प्रस्तुतीकरण प्रस्तुत करने से पूर्व, बोली लगाने वालाबोली प्रतिभूति के प्रस्थापित निर्गामी या प्रस्थापित पुष्टि करने वाले की स्वीकार्यता कोपुष्ट करने के लिए उपापन संस्था से अनुरोध कर सकेगा। उपापन संस्था ऐसे किसीअनुरोध का तत्परता से प्रत्युत्तर देगी।

(8) बोली प्रतिभूति के रूप में प्रस्तुत बैंक गारन्टी की संबंधित जारी करने वालेबैंक से पुष्टि करायी जायेगी। तथापि, प्रस्तावित निर्गामी या किसी प्रस्तावित पुष्टि करनेवाले की स्वीकार्यता की पुष्टि इस आधार पर बोली प्रतिभूति को अस्वीकार करने सेउपापन संस्था को अपवर्जित नहीं करती है कि निर्गामी या, यथास्थिति, पुष्टि करने वालादिवालिया हो गया है या अन्यथा उधार के लिए पात्र नहीं रह गया है।

(9) असफल बोली लगाने वालों की बोली प्रतिभूति का प्रतिदाय सफल बोली कीअंतिम स्वीकृति और करार के हस्ताक्षर करने और कार्य सम्पादन प्रतिभूति प्रस्तुत करनेके शीघ्र पश्चात् कर दिया जायेगा।

(10) बोली लगाने वाले से ली गई बोली प्रतिभूति निम्नलिखित मामलों में समपहृतकर दी जायेगी, अर्थात् :–

क जब बोली लगाने वाला बोली के खुलने के पश्चात् अपनी बोली प्रत्याहृत या उपान्तरित करता है;

ख जब बोली लगाने वाला प्रदाय/संकर्म आदेश देने के पश्चात् विनिर्दिष्ट कालावधि के भीतर करार, यदि कोई हो, का निष्पादन नहीं करता है;

ग जब बोली लगाने वाला विनिर्दिष्ट समय के भीतर प्रदाय/संकर्म आदेश के अनुसार माल या सेवा का प्रदाय या संकर्म का निष्पादन प्रारंभ करने में असफल रहता है;

घ जब बोली लगाने वाला प्रदाय/संकर्म आदेश दिये जाने के पश्चात् विनिर्दिष्ट कालावधि के भीतर कार्य सम्पादन प्रतिभूति जमा नहीं कराता है;

ङ यदि बोली लगाने वाला अधिनियम और इन नियमों के अध्याय 6 में विनिर्दिष्ट बोली लगाने वालों के लिए विहित सत्यनिष्ठा की संहिता के किसी उपबंध का भंग करता है।

(11) सफल बोली लगाने वाले की दशा में, बोली प्रतिभूति की रकम कार्यसम्पादन प्रतिभूति की रकम में समायोजित की जा सकती है या लौटायी जा सकती हैयदि सफल बोली लगाने वाला पूर्ण रकम की कार्य सम्पादन प्रतिभूति दे देता है।

(12) उपापन संस्था निम्नलिखित दशाओं के शीघ्र पश्चात् बोली प्रतिभूति कोतत्परता से लौटा देगी, अर्थात् :–

क बोली प्रतिभूति की विधिमान्यता के अवसान पर;

ख सफल बोली लगाने वाले के द्वारा उपापन के लिए करार के निष्पादन और कार्य सम्पादन प्रतिभूति देने पर;

ग उपापन प्रक्रिया के रद्दकरण पर; या

घ बोली प्रस्तुत करने के लिए अन्तिम समय–सीमा से पूर्व बोली के प्रत्याहरण पर, जब तक कि बोली दस्तावेजों में यह अनुबंध नहीं हो कि ऐसा कोई प्रत्याहरण अनुज्ञात नहीं किया गया है।

11. कार्य सम्पादन प्रतिभूति.– कार्य सम्पादन प्रतिभूति की अभ्यर्थना राज्य सरकार के विभागों और ऐसे उपक्रमों, निगमों, स्वायत्त निकायों, रजिस्ट्रीकृत सोसाइटियों, सहकारी सोसाइटियों जो राज्य सरकार के स्वामित्व या नियंत्रण या प्रबंध में हों और केन्द्रीय सरकार के उपक्रमों के सिवाय समस्त सफल बोली लगाने वालों से की जायेगी। तथापि, उनसे एक कार्य सम्पादन प्रतिभूति घोषणा ली जायेगी। राज्य सरकार किसी विशिष्ट उपापन या उपापन के किसी प्रवर्ग के मामले में कार्य सम्पादन प्रतिभूति के उपबंध को शिथिल कर सकेगी।

(2) कार्य सम्पादन प्रतिभूति की रकम माल और सेवाओं के उपापन के मामले मेंप्रदाय आदेश की रकम की पांच प्रतिशत या जैसी कि बोली दस्तावेज में विनिर्दिष्ट कीजाये, होगी और संकर्मों के उपापन के मामले में संकर्म आदेश की रकम की दस प्रतिशतहोगी। राजस्थान के लघु उद्योगों के मामले में माल के प्रदाय के लिए आदिष्ट परिमाणकी रकम की एक प्रतिशत होगी और लघु उद्योगों से भिन्न रूग्ण उद्योगों, जिनके मामलेऔद्योगिक और वित्तीय पुनर्निमाण बोर्ड के समझ लम्बित है, के मामले में यह प्रदायआदेश की रकम का दो प्रतिशत होगी।

(3) परन्तु राजस्थान लोक उपापन में पारदर्शिता (संशोधन) नियम, 2020 के प्रारम्भ की तारीख (13.08.2020) से 31.03.2021 तक की कालावधि के दौरान कार्य संपादन प्रतिभूति निम्नानुसार ली जायेगी :– (क) माल और सेवाओं के उपापन के मामले में प्रदाय आदेश की रकम का 2.5 प्रतिशत, या बोली दस्तावेज में यथा विनिर्दिष्टानुसार और संकर्मों के उपापन के मामले में संकर्म आदेश की रकम का 5 प्रतिशत; (ख) राजस्थान के लघु उद्योगों की दशा में, माल के प्रदाय के लिए आदिष्ट परिमाण की रकम का 5 प्रतिशत; और (ग) लघु उद्योगों से भिन्न, रूग्ण उद्योगों की दशा में,

जिनके मामले औद्योगिक और वित्तीय पुनर्निर्माण बोर्ड (बीआईएफआर) के समक्ष लंबित हैं, प्रदाय आदेश की रकम का 1 प्रतिशत; और,

(4) कार्य सम्पादन प्रतिभूति निम्नलिखित प्ररूपों में से किसी एक में प्रस्तुत कीजायेगीः–

क ''ई. जी. आर. ए. एस. के माध्यम से जमा'';

ख किसी अनुसूचित बैंक का बैंक ड्राफ्ट या बैंकर चैक;

ग राष्ट्रीय बचत पत्र और राजस्थान में किसी डाकघर द्वारा अल्प बचत केप्रोन्नयन के लिए राष्ट्रीय बचत स्कीमों के अधीन जारी कोई अन्य स्क्रिप्ट/लिखत, यदिवह सुसंगत नियमों के अधीन बंधक रखी जा सकती हो। बोली के समय वे उनके समर्पणमूल्य पर स्वीकार की जायेंगी और मुख्य डाकपाल के अनुमोदन से औपचारिक रूप सेउपापन संस्था के नाम अंतरित की जायेंगी।

घ किसी अनुसूचित बैंक की बैंक गारंटी/गारंटियां। यह जारी करने वाले बैंकसे सत्यापित करायी जायेगी। बैंक गारंटी से संबंधित अन्य शर्तें बोली प्रतिभूति के लिएनियम 42 में वर्णित के समान होंगी।

ङ किसी अनुसूचित बैंक की नियत जमा रसीद (एफडीआर)। यह बोली लगानेवाले के खाते उपापन संस्था के नाम होगी और बोली लगाने वाले द्वारा अग्रिम रूप सेउन्मोचित की जायेगी। उपापन संस्था नियत जमा रसीद को स्वीकार करने के पूर्व यहसुनिश्चित करेगी कि बोली लगाने वाला बैंक की ओर से उपापन संस्था को संबंधितबोली लगाने वाले की सहमति की अपेक्षा के बिना, नियत जमा रसीद का मांग परसंदाय/समयपूर्व संदाय करने का वचन देता है। कार्य सम्पादन प्रतिभूति के समपहरणकी दशा में नियत जमा ऐसी नियत जमा पर अर्जित ब्याज के साथ समपहृत कर लीजायेगी।

च संकर्मों के उपापन में मामले में, सफल बोली लगाने वाला संविदा करार परहस्ताक्षर करते समय अपने प्रत्येक चालू और अंतिम बिल में से बिल की रकम के दसप्रतिशत की दर से कार्य सम्पादन प्रतिभूति की कटौती के लिए विकल्प प्रस्तुत करसकेगा।,

(5) उप–नियम (3) के खण्ड (ख) से (ङ) के प्ररूप में विनिर्दिष्ट कार्य सम्पादनप्रतिभूति, वारंटी बाध्याताओं और रखरखाव और दोष दायित्व कालावधि को सम्मिलितकरते हुए बोली लगाने वाले की समस्त संविदाजात बाध्यताओं के पूरा होने की तारीख सेपरे साठ दिनों की कालावधि के लिए विधिमान्य रहेगी।

12. बोली प्रतिभूति राशि का समपहरण :– बोली प्रतिभूति राशि को निम्नलिखित मामलों में समपहृत कर लिया जाएगा :–

(1) जब बिडर बिड खोलने के बाद किन्तु, बिड को स्वीकार करने के पूर्व प्रस्ताव को वापस लेता है या उसमें रूपान्तरण करता है।

(2) जब बिडर विनिर्दिष्ट समय के भीतर विहित किसी करार को, यदि कोई हो, निष्पादित नहीं करता है।

(3) जब बिडर प्रदायगी के लिए आदेश देने के बाद प्रतिभूति राशि जमा नहीं कराता है।

(4) जब वह विहित समय के भीतर प्रदाय आदेश के अनुसार मदों का प्रदाय प्रारम्भ करने में असफल रहता है।

13. (1) करार एंव प्रतिभूति निक्षेप :– (1) सफल बिडर को आदेश के प्राप्त होने से 15 दिन की अवधि के भीतर प्ररूप 17 में एक करार पत्र निष्पादित करना होगा। अनुबंध के साथ ही 2.5 प्रतिशत प्रतिभूति राशि जमा करानी होगी। यह प्रतिभूति प्रेषण के उस दिनांक से जिसको बिड के स्वीकार किए जाने की सूचना उसे दी गयी है, 15 दिन के भीतर जमा करायी जाएगी ।

(2) बिड के समय जमा करायी गयी बोली प्रतिभूति राशि को प्रतिभूति की राशि के लिए समायोजित किया जाएगा। प्रतिभूति की राशि किसी भी दशा में बोली प्रतिभूति राशि से कम की नहीं होगी ।

(3) प्रतिभूति राशि पर विभाग द्वारा ब्याज का भुगतान नहीं किया जाएगा।

(4) प्रतिभूति राशि के रूप निम्न प्रकार होंगे :–
(क) बैंक ड्राफ्ट/बैंकर्स चैक ।
(5) (1) प्रतिभूति निक्षेप का समपहरण :– प्रतिभूति की राशि को पूर्ण या आंशिक रूप से निम्नलिखित मामलों में समपहृत किया जा सकेगा :–
(क) जब संविदा के किन्ही निबन्धनों और शर्तो का उल्लघंन किया गया हो।
(ख) जब बिडर सम्पूर्ण प्रदाय सन्तोषजनक ढंग से करने में असफल रहा है।
(ग) प्रतिभूति निक्षेप को समपहृत करने के मामले में युक्तियुक्त समय पूर्व नोटिस दिया जाएगा। इस सम्बन्ध में संस्थान का निर्णय अन्तिम होगा।
(2) करार पत्र को पूर्ण करने एवं उस पर स्टाम्प लगाने के व्यय का भुगतान बिडर द्वारा किया जाएगा तथा विभाग को उस करार की एक निष्पादित स्टाम्प शुदा प्रतिपड़त निःशुल्क दी जाएगी।

14. भुगतान :–
(1) जब तक पक्षकारों के मध्य अन्यथा सहमति न हो जाए, सामान की सुपुर्दगी के लिए भुगतान बिडर द्वारा संस्थान को उचित प्ररूप में सामान्य वित्तीय एंव लेखा नियमों के अनुसार बिल प्रस्तुत करने पर किया जाएगा तथा सभी प्रेषण प्रभार बिडर द्वारा वहन किए जाएंगे।
(2) विवादास्पद मदों के सम्बन्ध में, राशि का 10 से 25 प्रतिशत तक को रोका जाएगा तथा उस विवाद का निपटारा हो जाने पर उसका भुगतान कर दिया जाएगा।
(3)उन मामलों के सम्बन्ध में, जिनमें परीक्षण करने की जरूरत है, भुगतान तभी किया जाएगा जब उनका परीक्षण कर लिया जाए तथा प्राप्त हुए परीक्षण परिणाम विहित विनिर्देशों के अनुरूप हों।

15. वसूलियां :– परिसमापित नुकसानी, कम प्रदाय, टूट–फूट, रद्द की गयी वस्तुओं के लिए वसूली साधारण रूप से बिल में से की जाएगी। प्रदायकर्ता कम प्रदाय, टूट–फूट, रद्द किए गए मालों की सीमा तक राशि को भी रोका जा सकेगा तथा नुकसान के साथ वसूली उसकी देय राशि एवं विभाग के पास उपलब्ध प्रतिभूति निक्षेप से की जाएगी। यदि वसूली करना सम्भव न हो तो राजस्थान पी डी आर एक्ट या प्रवृत्त किसी अन्य कानून के अन्तर्गत कार्यवाही की जाएगी।

16. यदि बिडर ऐसी शर्ते आरोपित करता है जो इसमें वर्णित शर्तो के अतिरिक्त हैं या उनके विरोध में हैं, तो उसकी बिड को संक्षिप्त रूप में कार्यवाही कर रद्द कर दिया जाएगा। किसी भी सूरत में इनमें से किसी भी शर्त को स्वीकार किया हुआ नहीं समझा जाएगा जब तक कि संस्थान द्वारा जारी किए गए बिड स्वीकृति के पत्र में विशेष रूप से उल्लेखित न किया गया हो।

17. संस्थान किसी भी बिड को जो आवश्यक रूप से न्यूनतम दर की बिड नहीं हैं, स्वीकार करने, बिना कोई कारण बतलाये किसी भी बिड को रद्द करने या जिन वस्तुओं के लिए बिडर ने बिड दी है, उन सब के लिए या किसी एक या अधिक के लिए बिड को स्वीकार करने या एक फर्म/प्रदायकर्ता से अधिक को समान की मदों को वितरित करने के अधिकार को अपनी पास आरक्षित रखेगा।

18. बिडर करार को निष्पादित करते समय निम्नलिखित दस्तावेज प्रस्तुत करेगा :–
(1) यदि भागीदारी फर्म हो तो भागीदारी विलेख (डीड) की एक अनुप्रमाणित प्रति ।
(2) यदि भागीदारी फर्म रजिस्ट्रार आफ फर्म्स के पास पंजीकृत हो तो पंजीयन संख्या एवं उसका वर्ष।
(3) एक मात्र स्वामित्व के मामले में आवास एंव कार्यालय का पता, टेलीफोन नम्बर।
(4) कम्पनी के मामले में कम्पनी के रजिस्ट्रार के द्वारा जारी किया गया प्रमाण पत्र।

19. कार्यादेश, अनुबंध आदि के संबंध में अगर कोई भी विवाद होता है, तो संबंधित फर्म के द्वारा प्रभारी संचालक महोदय को एकल पंच नियुक्ति करने का अनुरोध किया जा सकता है। एकल पंच द्वारा लिया गया निर्णय दोनों पार्टियों को स्वीकार योग्य होगा, तथा एकल पंच पर किये गये समस्त व्यय दोनों पार्टियों द्वारा समान रूप से वहन किया जावेगा।

20. समस्त विधिक कार्यवाहियां, यदि संस्थित किया जाना आवश्यक हो, किसी भी पक्षकार (सरकार या बिडर) द्वारा जयपुर में स्थित न्यायालयों में ही की जाएगी, अन्यत्र नहीं की जाएंगी।

Annexure A : Compliance with the Code of Integrity and No Conflict of Interest

Any person participating in a procurement process shall -

(a) not offer any bribe, reward or gift or any material benefit either directly or indirectly in exchange for an unfair advantage in procurement process or to otherwise influence the procurement process;

(b) not misrepresent or omit that misleads or attempts to mislead so as to obtain a financial or other benefit or avoid an obligation;

(c) not indulge in any collusion, Bid rigging or anti-competitive behavior to impair the transparency, fairness and progress of the procurement process;

(d) not misuse any information shared between the procuring Entity and the Bidders with an intent to gain unfair advantage in the procurement process;

(e) not indulge in any coercion including impairing or harming or threatening to do the same, directly or indirectly, to any party or to its property to influence the procurement process;

(f) not obstruct any investigation or audit of a procurement process;

(g) disclose conflict of interest, if any; and

(h) disclose any previous transgressions with any Entity in India or any other country during the last three years or any debarment by any other procuring entity.

Conflict of Interest:-

The Bidder participating in a bidding process must not have a Conflict of Interest.

A Conflict of Interest is considered to be a situation in which a party has interests that could improperly influence that party's performance of official duties or responsibilities, contractual obligations, or compliance with applicable laws and regulations.

i. A Bidder may be considered to be in Conflict of Interest with one or more parties in a bidding process if, including but not limited to:

a. have controlling partners/ shareholders in common; or
b. receive or have received any direct or indirect subsidy from any of them; or
c. have the same legal representative for purposes of the Bid; or
d. have a relationship with each other, directly or through common third parties, that puts them in a position to have access to information about or influence on the Bid of another Bidder, or influence the decisions of the Procuring Entity regarding the bidding process; or
e. the Bidder participates in more than one Bid in a bidding process. Participation by a Bidder in more than one Bid will result in the disqualification of all Bids in which the Bidder is involved. However, this does not limit the inclusion of the same subcontractor, not otherwise participating as a Bidder, in more than one Bid; or

f. the Bidder or any of its affiliates participated as a consultant in the preparation of the design or technical specifications of the Goods, Works or Services that are the subject of the Bid; or

g. Bidder or any of its affiliates has been hired (or is proposed to be hired) by the Procuring Entity as engineer-in-charge/ consultant for the contract.

Doc1

Annexure B : Declaration by the Bidder regarding Qualifications

Declaration by the Bidder

In relation to my/our Bid submitted to .... for procurement of .... in response to their Notice Inviting Bids No.............. Dated............. I/we hereby declare under Section 7 of Rajasthan Transparency in Public Procurement Act, 2012, that:

1. I/we possess the necessary professional, technical, financial and managerial resources and competence required by the Bidding Document issued by the Procuring Entity;
2. I/we have fulfilled my/our obligation to pay such of the taxes payable to the Union and the State Government or any local authority as specified in the Bidding Document;
3. I/we are not insolvent, in receivership, bankrupt or being wound up, not have my/our affairs administered by a court or a judicial officer, not have my/our business activities suspended and not the subject of legal proceedings for any of the foregoing reasons;
4. I/we do not have, and our directors and officers not have, been convicted of any criminal offence related to my/our professional conduct or the making of false statements or misrepresentations as to my/our qualifications to enter into a procurement contract within a period of three years preceding the commencement of this procurement process, or not have been otherwise disqualified pursuant to debarment proceedings;
5. I/we do not have a conflict of interest as specified in the Act, Rules and the Bidding Document, which materially affects fair competition;

Date:
Place:

Signature of bidder
Name :
Designation:
Address:

Doc1

Annexure C : Grievance Redressal during Procurement Process

The designation and address of the First Appellate Authority is ____________________

The designation and address of the Second Appellate Authority is ____________________

(1) Filing an appeal

If any Bidder or prospective bidder is aggrieved that any decision, action or omission of the Procuring Entity is in contravention to the provisions of the Act or the Rules or the Guidelines issued thereunder, he may file an appeal to First Appellate Authority, as specified in the Bidding Document within a period of ten days from the date of such decision or action, omission, as the case may be, clearly giving the specific ground or grounds on which he feels aggrieved:

Provided that after the declaration of a Bidder as successful the appeal may be filed only by a Bidder who has participated in procurement proceedings:

Provided further that in case a Procuring Entity evaluates the Technical Bids before the opening of the Financial Bids, an appeal related to the matter of Financial Bids may be filed only by a Bidder whose Technical Bid is found to be acceptable.

(2) The officer to whom an appeal is filed under para (1) shall deal with the appeal as expeditiously as possible and shall endeavour to dispose it of within thirty days from the date of the appeal.

(3) If the officer designated under para (1) fails to dispose of the appeal filed within the period specified in para (2), or if the Bidder or prospective bidder or the Procuring Entity is aggrieved by the order passed by the First Appellate Authority, the Bidder or prospective bidder or the Procuring Entity, as the case may be, may file a second appeal to Second Appellate Authority specified in the Bidding Document in this behalf within fifteen days from the expiry of the period specified in para (2) or of the date of receipt of the order passed by the First Appellate Authority, as the case may be.

(4) Appeal not to lie in certain cases

No appeal shall lie against any decision of the Procuring Entity relating to the following matters, namely:-

(a) determination of need of procurement;
(b) provisions limiting participation of Bidders in the Bid process;
(c) the decision of whether or not to enter into negotiations;
(d) cancellation of a procurement process;
(e) applicability of the provisions of confidentiality.

(5) Form of Appeal

(a) An appeal under para (1) or (3) above shall be in the annexed Form along with as many copies as there are respondents in the appeal.
(b) Every appeal shall be accompanied by an order appealed against, if any, affidavit verifying the facts stated in the appeal and proof of payment of fee.

Doc1

(c) Every appeal may be presented to First Appellate Authority or Second Appellate Authority, as the case may be, in person or through registered post or authorised representative.

(6) Fee for filing appeal

(a) Fee for first appeal shall be rupees two thousand five hundred and for second appeal shall be rupees ten thousand, which shall be non-refundable.

(b) The fee shall be paid in the form of bank demand draft or banker's cheque of a Scheduled Bank in India payable in the name of Appellate Authority concerned.

(7) Procedure for disposal of appeal

(a) The First Appellate Authority or Second Appellate Authority, as the case may be, upon filing of appeal, shall issue notice accompanied by copy of appeal, affidavit and documents, if any, to the respondents and fix date of hearing.

(b) On the date fixed for hearing, the First Appellate Authority or Second Appellate Authority, as the case may be, shall,-

(i) hear all the parties to appeal present before him; and

(ii) peruse or inspect documents, relevant records or copies thereof relating to the matter.

(c) After hearing the parties, perusal or inspection of documents and relevant records or copies thereof relating to the matter, the Appellate Authority concerned shall pass an order in writing and provide the copy of order to the parties to appeal free of cost.

(d) The order passed under sub-clause (c) above shall also be placed on the State Public Procurement Portal.

Doc1

FORM No. 1
[See rule 83]

Memorandum of Appeal under the Rajasthan Transparency in Public Procurement Act, 2012

Appeal No ....of ....
Before the .... (First / Second Appellate Authority)

1. Particulars of appellant:
(i) Name of the appellant:

(ii) Official address, if any:

(iii) Residential address:

2. Name and address of the respondent(s):
(i)
(ii)
(iii)

3. Number and date of the order appealed against and name and designation of the officer / authority who passed the order (enclose copy), or a statement of a decision, action or omission of the Procuring Entity in contravention to the provisions of the Act by which the appellant is aggrieved:

4. If the Appellant proposes to be represented by a representative, the name and postal address of the representative:

5. Number of affidavits and documents enclosed with the appeal:

6. Grounds of appeal:
....
....
.... (Supported by an affidavit)

7. Prayer:
....
....
....

Place ....
Date ....
Appellant's Signature

Doc1

Annexure D : Additional Conditions of Contract

1. Correction of arithmetical errors

Provided that a financial bid is substantially responsive, the procuring entity will correct arithmetical errors during evaluation of financial bids on the following basis:

i. If there is a discrepancy between the unit price and the total price that is obtained by multiplying the unit price and quantity, the unit price shall prevail and the total price shall be corrected, unless in the opinion of the procuring entity there is an obvious misplacement of the decimal point in the unit price, in which case the total price as quoted shall govern and the unit price shall be corrected;

ii. If there is an error in a total corresponding to the addition or subtraction of subtotals, the subtotals shall prevail and the total shall be corrected; and

iii. If there is a discrepancy between words and figures, the amount in words shall prevail, unless the amount expressed in words is related to an arithmetic error, in which case the amount in figures shall prevail subject to (i) and (ii) above.

If the bidder that submitted the lowest evaluated bid does not accept the correction of errors, its bid shall be disqualified and its bid security shall be forfeited or its bid securing declaration shall be executed.

2. Procuring Entity's Right to Vary Quantities

i. At the time of award of contract, the quantity of goods, works or services originally specified in the bidding document may be increased or decreased by a specified percentage, but such increase or decrease shall not exceed twenty percent, of the quantity specified in the bidding document. It shall be without any change in the unit prices or other terms and conditions of the bid and the conditions of contract.

ii. If the procuring entity does not procure any subject matter of procurement or procures less than the quantity specified in the bidding document due to change in circumstances, the bidder shall not be entitled for any claim or compensation except otherwise provided in the conditions of contract.

iii. In case of procurement of goods or services, additional quantity may be procured by placing a repeat order on the rates and conditions of the original order. However, the additional quantity shall not be more than 50% of the value of goods of the original contract and shall be within one month from the date of expiry of last supply. If the supplier fails to do so, the procuring entity shall be free to arrange for the balance supply by limited bidding or otherwise and the extra cost incurred shall be recovered from the supplier.

3. Dividing quantities among more than one Bidder at the time of award (In case of procurement of Goods)

As a general rule all the quantities of the subject matter of procurement shall be procured from the bidder, whose bid is accepted. However, when it is considered that the quantity of the subject matter of procurement to be procured is very large

and it may not be in the capacity of the bidder, whose bid is accepted, to deliver the entire quantity or when it is considered that the subject matter of procurement to be procured is of critical and vital nature, in such cases, the quantity may be divided between the bidder, whose bid is accepted and the second lowest bidder or even more bidders in that order, in a fair, transparent and equitable manner at the rates of the bidder, whose bid is accepted.

Annexure "E"

राजस्थान राज्य गंगानगर शुगर मिल्स लिमिटेड

तकनीकी बिड चैक लिस्ट

(तकनीकी बिड के साथ स्वयं द्वारा अभिप्रमाणित संलग्न किये जाने वाले दस्तावेज)

1	बिडर फर्म का नाम	
2	हैसियत जिसके तहत बिड प्रस्तुत की जा रही है– 1 व्यक्ति 2 फर्म (साझेदारी डीड की प्रति संलग्न) 3 कंपनी (मेमोरेंडम ऑफ एसोशियेशन की प्रति संलग्न)	
3	पता मय पिनकोड, दूरभाष एवं ई–मेल	
4	पैन नंबर (प्रमाण में दस्तावेज की छायाप्रति संलग्न करें)	
5	बोली प्रतिभूति राशि (अनुमानित व्यय का 2 प्रतिशत)	
6	बिड प्रपत्र के एनेक्सर बी रू. 100/– के नॉन ज्यूडिशियल स्टाम्प पेपर पर शपथ पत्र (प्रमाण में दस्तावेज संलग्न करें)	
7	विशिष्ट शर्त संख्या 55 अनुसार अनुभव सम्बन्धी दस्तावेज।	
8	विशिष्ट शर्त संख्या 56 अनुसार टर्नओवर सम्बन्धी दस्तावेज।	
9	माल एवं सेवा कर (GSTN) पंजीयन संख्या (प्रमाण में दस्तावेज की छायाप्रति संलग्न करें)	
10	ईपीएफ कोड (पीएफ विभाग द्वारा आवंटित कोड) (प्रमाण में दस्तावेज की छायाप्रति संलग्न करें)	
11	ईएसआई संख्या (ईएसआई विभाग द्वारा आवंटित संख्या) (प्रमाण में दस्तावेज की छायाप्रति संलग्न करें)	
12	हस्ताक्षरित एंव मोहरबंद बिड प्रपत्र अपलोड किया गया?	

नोट : उक्त सभी प्रविष्टियां पूर्ण व अनिवार्य रूप से भरें एवं दस्तावेजों की सत्यापित छायाप्रति संलग्न करें ।

Annexure "F"

Broad specification

Equipment	Specification
Crusher And Baggase	500 QTL., CANE SUGAR CANE CRUSHER 12 Inch X12 Inch SUGAR CANE CHAIN 12 FEET BAGGASE CARRIER 15 FEET COMPLETE IN ALL RESPECT
UNIT	BAGGASE DRYTER 70 FEET DRY BAGGASE MOVER (CARRIER) COMPLETE IN ALL RESPECT
CANE JUICE BOILING PAN	68” 6PCS PAN 72” 8PCS PAN (AS PER STANDARD SIZE)
BROWN SUGAR MACHINERY	CRYSTALLIZER 6PCS CRYSTALLIZER LARGE 4PCS SPINNER 2 PCS SUGAR DRYER MACHINE COMPLETE IN ALL RESPECT
PACKING TOOLS	JAGGARY POWDER & BROWN KHAAND PACKING MACHINE, JAGGARY TOOLS COMPLETE IN ALL RESPECT

SR FORM-17

AGREEMENT (See Rule 68)

An agreement made this ………………………day of ……………..between ……………………………………….. (hereinafter called **"the approved supplier"**, which expression shall, where the context so admits, be deemed to include his heirs successors, executors and administrators of the one part and **the Rajasthan State Ganganagar Sugar Mills Ltd.** (herein after called "**the RSGSM**" which expression shall, where the context so admits, be deemed to include his successors in office and assigns) of the other part.

2. Whereas the approved supplier has agreed with the RSGSM to supply to the_________ of the Rajasthan State Ganganagar Sugar Mills Ltd. at its Head Office as well as at branches offices throughout Rajasthan, all those articles set forth in the schedule appended hereto in the manner set forth in the conditions of the tender and contract appended herewith and at the rates set forth in column__________ of the said schedule.

3. And whereas the approved supplier has deposited a sum of Rs._____ in _________.

   (1) Cash/Bank Draft/ Bank Guarantee /Banker Cheque No.____________________ dated_________.

   (2) Post Office Savings Bank Pass Book duly hypothecated to the Departmental authority.

   (3) National Savings Certificates/Defence Savings Certificates, Kisan Vikas Patras, or any other script/instrument under National Saving Schemes for promotion of Small Savings, if the same can be pleased under the relevant rule. (The certificates being accepted at surrender value) as security for the due performance of the aforesaid agreement which has been formally transferred to the departmental authority.

4. Now these Presents witness:

   (1) In consideration of the payment to be made by the Government through_____ at the rates set forth in the Schedule hereto appended the approved supplier will duly supply the said articles set forth in_________ and _________ thereof in the manner set forth in the conditions of the tender and contract.

   (2) The conditions of the tender and contract for open tender enclosed to the tender notice No._____ dated_______ and also appended to this agreement will be deemed to be taken as part of this agreement and are binding on the parties executing this agreement.

   (3) Letters Nos._______ received from tenderer and letters nos.______ issued by the Government and appended to this agreement shall also form part of this agreement.

   (4)

(a) The RSGSM do hereby agree that if the approved supplier shall duly supply the said articles in the manner aforesaid observe and keep the said terms and conditions, the RSGSM will through_______ pay or cause to be paid to the approved supplier at the time and the manner set forth in the said conditions, the amount payable for each and every consignment.

(b) The mode of Payment will be as specified below:-

1.____________________

2.____________________

3.____________________

5. The delivery shall be effected and completed within the period noted below from the date of supply order:-

a) From ………………… to …………………..

6. All disputes arising out of this agreement and all questions relating to the interpretation of this agreement shall be decided by the Government and the decision of the Government shall be final.

In witness whereof the parties hereto have set their hands on the......... day of ....201.......

Signature of the approved supplier.	**Signature for and on behalf of Rajasthan State Ganganagar Sugar Mills Ltd.** Dy. General Manager (Purchase)
Date: Witness No. 1	Date: Witness No. 1
Witness No.2	Witness No.2